

योएल की पुस्तक और लाओदीकियाई सातवें-दिन एडवेंटिस्ट कलीसिया - संख्या ग्यारह

Jeff Pippenger

2025-12-14

नंबर ग्यारह

अंतिम वर्षा का संदेश, अनुग्रहकाल के निकट आते समापन की चेतावनी है, और इसके साथ व्यक्तिगत तैयारी के आह्वान का संगम है। ये दोनों अवधारणाएँ यशायाह के दर्शन के अध्याय दस और ग्यारह में प्रस्तुत की गई हैं, और इन्हें दानिय्येल ग्यारह के उस संदेश के संदर्भ में रखा गया है, जिसकी मुहर 1989 में खोली गई थी, तथा जिसका छिपा हुआ इतिहास एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी के समय खोला जाता है, जिनका दर्शन में प्रतिनिधित्व यशायाह और उसके पुत्रों द्वारा किया गया है। ये दोनों रेखाएँ मिलकर आहाज़ के लिए एक चेतावनी को दर्शाती हैं; आहाज़ उन लाओदीकियाइयों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें बाइबिलीय भविष्यवाणी में व्याप्त इन दो आंतरिक और बाहरी रेखाओं की कोई 'समझ' नहीं है।

दानिय्येल 11:11 और प्रकाशितवाक्य 11:11 एक ही आंतरिक और बाह्य निरूपण प्रस्तुत करते हैं, जहाँ दानिय्येल बाह्य का और प्रकाशितवाक्य आंतरिक का प्रतिनिधित्व करता है। ये दोनों आंतरिक और बाह्य 'अध्याय और पद' अध्याय दस और ग्यारह के बाह्य और आंतरिक संदेशों से सीधे जुड़ते हैं, और वे ऐसा यशायाह 11:11 में करते हैं।

यशायाह का छठा अध्याय 9/11 है और यह 9/11 पर संदेशवाहक के रूप में यशायाह के शुद्धिकरण और अभिषेक को पहचानता है। सातवें अध्याय से आगे 9/11 पर आए संदेश की रूपरेखा है। दसवां अध्याय दानिय्येल के ग्यारहवें अध्याय के अंतिम छह पदों की भूमिका की पहचान करता है, क्योंकि वही वह संदेश था जिसकी मुहर 1989 में अंत के समय खोली गई थी।

यशायाह का ग्यारहवाँ अध्याय 9/11 और यशायाह तथा उसके संदेश के अभिषेक का प्रतिनिधित्व करता है। पहली आयत "जेसी" के माध्यम से दसवीं आयत से जुड़ी है और दसवीं आयत कहती है, "और उस दिन" और ग्यारहवीं आयत आगे कहती है, "और ऐसा होगा कि उस दिन प्रभु अपने लोगों के शेष बचे हुएों को पुनः प्राप्त करने के लिए अपना हाथ फिर दूसरी बार बढ़ाएगा।"

वह दिन 1850 था।

और यिश् के ठूँठ से एक कौपल फूट निकलेगी, और उसकी जड़ों से एक डाली उगेगी; और उसके ऊपर प्रभु की आत्मा ठहरेगी—बुद्धि और समझ की आत्मा, सम्मति और सामर्थ्य की आत्मा, ज्ञान और प्रभु के भय की आत्मा। और वह प्रभु के भय में तीव्र समझ वाला होगा; वह न अपनी आँखों के देखे के अनुसार न्याय करेगा, न अपने कानों के सुने के अनुसार ताड़ना देगा। परन्तु वह धर्म से दीनों का न्याय करेगा, और पृथ्वी के नम्र जनों की ओर से न्याय के साथ ताड़ना करेगा; वह अपने मुँह की छड़ी से पृथ्वी को मारेगा, और अपने होंठों की श्वास से दुष्ट को मार डालेगा। धर्म उसकी कटि का कमरबंद होगा, और विश्वासयोग्यता उसके कटीप्रदेश का कमरबंद। भेड़िया भी मेम्ने के साथ रहेगा, और तेंदुआ बकरी के बच्चे के साथ लेटेगा; और बछड़ा, जवान सिंह और पाला-पोसा पशु साथ-साथ रहेंगे, और एक छोटा बच्चा उन्हें ले चलेगा। गाय और भालू साथ चरेंगे; उनके बच्चे साथ-साथ लेटेंगे; और सिंह बैल की तरह भूसा खाएगा। दूधमुँहा बच्चा साँप के बिल पर खेलेगा, और दूध छुड़ाया हुआ बच्चा नाग की मांद पर अपना हाथ डालेगा। मेरे सारे पवित्र पर्वत पर वे न तो हानि पहुँचाएँगे और न विनाश करेंगे; क्योंकि जैसे जल समुद्र को ढाँप लेते हैं, वैसे ही पृथ्वी प्रभु के ज्ञान से परिपूर्ण होगी।

11:10 और उस दिन यिश्शै का मूल होगा, जो जातियों के लिये ध्वज के समान खड़ा रहेगा; उसे अन्यजातियाँ खोजेंगी, और उसका विश्राम महिमामय होगा।

और उस दिन ऐसा होगा कि प्रभु फिर दूसरी बार अपना हाथ बढ़ाकर अपने लोगों के उन बचे हुएों को, जो बचे रहेंगे, अशशूर से, मिस्र से, पतरोस से, कूश से, एलाम से, शिनार से, हमात से और समुद्र के द्वीपों से, वापस ले आएगा।

11:12 और वह जातियों के लिये एक ध्वज खड़ा करेगा, और इस्राएल के निकाले हुए लोगों को इकट्ठा करेगा, और पृथ्वी के चारों कोनों से यहूदा के तितर-बितर लोगों को इकट्ठा करेगा।

एप्रैम की ईर्ष्या भी दूर हो जाएगी, और यहूदा के विरोधी नाश हो जाएंगे; एप्रैम यहूदा से ईर्ष्या नहीं करेगा, और यहूदा एप्रैम को सताएगा नहीं। परन्तु वे पश्चिम की ओर पलिशितियों के कंधों पर झपटेंगे; वे एक साथ पूर्व वालों को लूटेंगे; वे एदोम और मोआब पर अपना हाथ बढ़ाएँगे, और अम्मोन के पुत्र उनकी आज्ञा मानेंगे।

और प्रभु मिस्र के समुद्र की जिह्वा को सर्वथा नष्ट कर देगा; और अपनी प्रबल वायु से वह नदी पर अपना हाथ हिलाएगा, और उसे सात धाराओं में बाँट देगा, और मनुष्यों को सूखे पाँव होकर पार जाने देगा। और उसके लोगों के बचे हुए, जो अशशूर से शेष रहेंगे, उनके लिये एक राजमार्ग होगा; जैसा इस्राएल के लिये उस दिन था, जब वह मिस्र देश से निकलकर आया था। यशायाह 11:1-16.

पहला पद कहता है, "और यिश्शै के टूँठ से एक अंकुर निकलेगा, और उसकी जड़ों से एक शाखा फूटेगी; और उस पर प्रभु की आत्मा ठहरेगी।" मसीह का यह प्रभावशाली वर्णन आगे भी चलता है, परन्तु यह वर्णन यशायाह के दिनों की तुलना में—यहाँ तक कि उन दिनों की तुलना में भी जब मसीह मनुष्यों के बीच चलते-फिरते थे—अन्तिम दिनों पर अधिक लागू होता है।

ध्यानपूर्वक पढ़ने से पता चलता है कि पहले से नौवें पद तक सभी मसीह के पहचानने योग्य लक्षण बताए गए हैं, और दसवें पद में कहा गया है, "और एक डाली निकल आएगी।" पहले पद से लेकर दसवें पद तक विचार की धारा में कहीं भी विराम नहीं आता। दसवाँ पद कहता है, "और उस दिन," जो पहले पद में जिस दिन की बात है, उसी दिन में घटित होना चाहिए। दसवाँ और पहला, दोनों पद "जड़" की पहचान कराते हैं, और ऐसा करते हुए इन दोनों पदों को पंक्ति पर पंक्ति एक साथ जोड़ देते हैं।

मिलाकर पद एक और दस कहते हैं, "और यिश्शै के टूँठ से एक अंकुर निकलेगा, और उसकी जड़ों से एक शाखा फूटेगी: और उस दिन यिश्शै की जड़ होगी, जो लोगों के लिए ध्वज के समान खड़ी होगी; उसकी ओर अन्यजातियाँ आएंगी: और उसका विश्राम महिमामय होगा।"

"छड़ी" सत्ता का प्रतीक है।

और उसने एक पुत्र को जन्म दिया, जो लोहे की छड़ी से सब जातियों पर शासन करने वाला था; और उसका पुत्र परमेश्वर के पास और उसके सिंहासन तक उठा लिया गया। प्रकाशितवाक्य 12:5.

एक "छड़ी" चयन, विभाजन और अलगाव का प्रतीक है।

और मूसा ने गवाही के तम्बू में प्रभु के सामने छड़ियाँ रख दीं। और ऐसा हुआ कि अगले दिन मूसा गवाही के तम्बू में गया; और देखो, लेवी के घराने के लिए हारून की छड़ी में कोंपलें फूट पड़ी थीं, कलियाँ आईं, फूल खिले, और बादाम लगे। और मूसा ने सब छड़ियाँ प्रभु के सामने से निकालकर सारे इस्राएलियों के पास ले आया; और उन्होंने देखा, और हर एक व्यक्ति ने अपनी-अपनी छड़ी ले ली। और प्रभु ने मूसा से कहा, हारून की छड़ी को फिर से गवाही के सामने रख दे, ताकि वह विद्रोहियों के विरुद्ध एक चिन्ह के रूप में रखी जाए; और तू उनकी बड़बड़ाहट को मुझसे पूरी तरह दूर कर देगा, ताकि वे न मरें। और मूसा ने ऐसा ही किया; जैसा प्रभु ने उसे आज्ञा दी थी, उसने वैसा ही किया। गिनती 17:7-11।

जिस हारून की "छड़ी" में कलियाँ फूटीं, वह अन्तिम वर्षा के काल में एक "छड़ी" की पहचान बताती है, क्योंकि तेरह "छड़ियों" में से केवल हारून की "छड़ी" ही कलियाँ फूटने वाली थी। कलियों का फूटना उस अन्तिम वर्षा के काल का प्रतीक है, जब परमेश्वर अन्तिम वर्षा का संदेश होने का दावा करने वाली बारह विद्रोही "छड़ियों" और सच्ची "छड़ी" के बीच भेद प्रकट करेगा—और जैसा एलिव्याह के आग के द्वारा किए गए प्रदर्शन में भी दिखाया गया, जिसने सत्य और असत्य के बीच भेद चिन्हित किया। "छड़ी" माप और न्याय का भी एक प्रतीक है।

और मुझे एक सरकंडा दिया गया जो डंडे के समान था; और स्वर्गदूत खड़ा हुआ और कहा, उठ, और परमेश्वर के मंदिर और वेदी को, और जो उसमें उपासना करते हैं, उन्हें नाप। प्रकाशितवाक्य 11:1.

"जेसी" के तने से "छड़ी" निकलती है, और "जेसी" का अर्थ 'उभरकर दिखाई देना' है, ठीक वैसे ही जैसे बाइबिल की भविष्यवाणी में मार्ग-चिन्ह उभरकर दिखाई देते हैं। फारेज़ वास्तव में जेसी की "जड़" था, और फारेज़ का अर्थ "एक दरार; फूट पड़ना या बिखेर देना" है। फारेज़, जेसी की वंश-रेखा की जड़ या शुरुआत है। अतः "जेसी की जड़" अल्फा अर्थात् फारेज़ और ओमेगा अर्थात् जेसी—आरंभ और अंत—का प्रतीक है। जेसी की जड़ बिखराव (फारेज़) से शुरू होती है और एक खड़े हुए मनुष्य के मार्ग-चिन्ह पर समाप्त होती है। भविष्यसूचक रूप से, पुरुषों का खड़ा होना एक राज्य को चिह्नित करता है। बाइबिल में फारेज़ एक वंश-रेखा की शुरुआत करता है; उसके परिचय से पहले कोई कड़ी नहीं है, और उसके नाम का अर्थ टूटन है; इसलिए उसकी वंशावली का लेखा और उसका नाम, दोनों फारेज़ को आरंभ के रूप में पहचानते हैं, और जेसी को अंत ठहराते हैं। मेल्कीसेदेक भी एक बाइबिल पात्र है, जिसे बिना किसी पूर्व वंशावली के पहचाना गया है, जैसा कि फारेज़ के मामले में है। फारेज़ की जड़ में यह सत्य निहित है कि वह मेल्कीसेदेक की याजकाई का प्रतिनिधित्व करता है, जिन्हें अब्राहम ने दशमांश दिया था।

मेल्कीसेदेक का क्रम मसीह का याजकीय क्रम है।

जहाँ हमारे लिये अग्रदूत, अर्थात् यीशु, प्रवेश कर चुका है, जो मेल्कीसेदेक की रीति पर सदैव के लिये महायाजक ठहराया गया है। इब्रानियों 6:20.

जेसी की जड़ मेल्कीसेदेक का याजकत्व था और शुरुआत को अंत का प्रतिबिंब होना चाहिए। जेसी मेल्कीसेदेक के याजकत्व के उठ खड़े होने वाले अंतिम समूह का प्रतिनिधित्व करता है, जो यशायाह के अनुसार राष्ट्रों के लिए एक ध्वज है।

"stem" का अर्थ है '(पेड़ों को) काट गिराना; पेड़ का तना या टूठ (चाहे काटा गया हो या लगाया गया हो),' और यह "stem" ऐसे राज्य से उगता है जिसे दानियेल अध्याय चार में नबूकदनेस्सर की भाँति एक ओर कर दिया गया था। भविष्यवाणी की दृष्टि से पेड़ एक राज्य होता है, और जब कोई राज्य समाप्त होता है तब वह पेड़ काट दिया जाता है।

पाठ में जो "stem" है, वह टूठ से निकलता है—ऊपरी शाखा से नहीं। टूठ द्वारा दर्शाए गए एक पूर्ववर्ती राज्य से एक "rod"—अधिकार का प्रतीक—प्रकट होती है, और वह अधिकार इस पर आधारित है कि क्या वह "rod" देर की वर्षा के संदेश की "कलियाँ और पुष्प" धारण करती है। वह अधिकार एक ऐसे पूर्व राज्य से प्राप्त है, जिसे काट दिया गया था।

"जड़" "जेसी की जड़" है और "टूठ" से निकलने वाला "तना" उस "टूठ" से आता है जिसकी जड़ें "जेसी की जड़" ही हैं। जो अधिकार उत्पन्न करता है, वह तना टूठ से आता है, पर शाखा जड़ से आती है—और जड़ ही ध्वज है। जड़ आरंभ है और अंत शाखा है।

शब्द "branch" का अर्थ पहरेदार या मार्गचिह्न होता है। यशायाह हमें बताता है कि Branch रविवार के कानून के समय आता है।

और उस दिन सात स्त्रियाँ एक पुरुष को पकड़ लेंगी, यह कहती हुई: हम अपना ही भोजन खाएँगी और अपने ही वस्त्र पहनेँगी; केवल हमें तेरे नाम से पुकारा जाए, ताकि हमारा कलंक दूर हो। उस दिन यहोवा की शाखा सुन्दर

और गौरवमय होगी, और पृथ्वी का फल इस्राएल के बच निकले हुए लोगों के लिए उत्तम और रमणीय होगा। और ऐसा होगा कि जो सिय्योन में बचा रह जाएगा और जो यरूशलेम में ठहरा रहेगा, वह पवित्र कहलाएगा—अर्थात् यरूशलेम में जीवितों में जिनका नाम लिखा है, वे सब। जब प्रभु सिय्योन की पुत्रियों की अशुद्धता धो देगा, और न्याय की आत्मा और दहन की आत्मा से यरूशलेम के रक्त को उसके मध्य से शुद्ध कर देगा। यशायाह 4:1-4।

वह "एक पुरुष" जिसे सात स्त्रियाँ पकड़ती हैं, पोप है, जो रविवार के कानून के समय "सात में से आठवाँ" हो जाता है, और जहाज़ में रहे आठ जनों की नक़ल करता है। रविवार के कानून के समय, "उस दिन" "प्रभु की शाखा सुंदर और महिमामयी होगी" "जब प्रभु सिय्योन की पुत्रियों की अशुद्धता धो डालेगा, और न्याय की आत्मा तथा दहकने की आत्मा से यरूशलेम के बीच से रक्त को शुद्ध कर देगा।" न्याय और दहकने की आत्मा से किया जाने वाला यह शोधन रविवार के कानून के समय मलाकी तीन में वाचा के दूत द्वारा पूरा किया जाता है। "सुंदर शाखा" वे एक लाख चवालीस हज़ार हैं, जो ठूँठ से नहीं, बल्कि यिशै की जड़ से आते हैं, जो निशान है।

उनका अधिकार उस राजदंड द्वारा प्रदर्शित होता है जो एक पतित राज्य की शाखा से आया था। फिलाडेल्फिया का राज्य 1856 से 1863 तक पतित हो गया, और उस पतित राज्य में स्थापित अधिकार रविवार के कानून के समय फिर से स्थापित होता है। जब वह शाखा, जो ध्वज है, ऊँचा उठाई जाती है, तब एक लाख चवालीस हज़ार का लाओदीकिया आंदोलन एक लाख चवालीस हज़ार के फिलाडेल्फिया आंदोलन में रूपांतरित हो जाता है। तब वही अधिकार, या राजदंड, जो मिलरवादी या फिलाडेल्फिया के राज्य से आया था, यशायाह 22:22 में एलियाकीम पर रखी गई एक कुंजी द्वारा दर्शाया जाता है।

और दाऊद के घर की कुंजी मैं उसके कंधे पर रखूंगा; तब वह खोलेगा, और कोई बंद नहीं करेगा; और वह बंद करेगा, और कोई खोलेगा नहीं। यशायाह 22:22.

यह पद 22 अक्टूबर, 1844 को दर्शाता है और एलियाकीम को एक "कुंजी" प्राप्त करने वाले के रूप में पहचानता है। पिछले दो पदों में लाओदिकिया पर अधिकार शेबना से लेकर एलियाकीम को दे दिया जाता है। संडे लॉ के समय चुने हुए वाचा के लोगों को कभी दिया गया वह अधिकार लाओदिकियन सेवेंथ-डे एडवेंटिज़्म के राज्य से लेकर एक लाख चवालीस हज़ार के फिलाडेल्फियन आंदोलन के राज्य को दे दिया जाता है—जो महिमा का राज्य है।

उसने उनसे कहा, परन्तु तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूँ? तब शमौन पतरस ने उत्तर देकर कहा, तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र। यीशु ने उत्तर देकर उससे कहा, धन्य है तू, शमौन, योना का पुत्र; क्योंकि यह बात तुझ पर शरीर और लहू ने नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में हैं, प्रकट की है। और मैं भी तुझ से कहता हूँ कि तू पतरस है, और इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा; और पाताल के फाटक उस पर प्रबल न होंगे। और मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियाँ दूँगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर बाँधेगा, वह स्वर्ग में बाँधा जाएगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खोला जाएगा। मत्ती 16:16-19.

अधिकार का दण्ड, जिसका प्रतिनिधित्व पतरस को दी गई कुंजी करती है, यशायाह 22:22 में एलियाकीम के कंधे पर रखा जाता है। पतरस एक लाख चवालीस हज़ार की उस शाखा का प्रतिनिधित्व करता है जो रविवार के कानून से ठीक पूर्व मसीह के साथ वाचा में प्रवेश करती है। उस अंश में पतरस कैसरिया फिलिप्पी में है, जो दानिय्येल ग्यारह के पद तेरह से पंद्रह के पानियम के अनुरूप है। उसका नाम परिवर्तित किया जाता है, जो वाचा-संबंध का प्रतिनिधित्व करता है, और "Peter" नाम, जब प्रत्येक अक्षर के वर्णक्रमानुसार क्रमांक को परस्पर गुणा करके देखा जाता है, तो 144,000 के समतुल्य होता है। वह अधिकार—या दण्ड, या कुंजी—जो शिब्ना को गेंद के समान किसी मैदान में फेंक दिए जाने पर एलियाकीम के कंधे पर रखा जाता है, वही "दण्ड" है जो फिलाडेल्फियाई मिलेराइट एडवेंटिज़्म के उस ठूँठ से निकलता है जिसे 1856 से 1863 तक काट दिया गया था।

पतरस गेहूँ और खरपतवार के अलगाव के समय परमेश्वर की वाचा के लोगों का अधिकार प्राप्त कर रहा है, क्योंकि गेहूँ को पेन्टेकोस्ट की हिलाई रोटियों की भेंट के रूप में ऊँचा उठाया जाना है। सबसे पहले खरपतवार अलग किए जाते हैं; यह उस तथ्य से दर्शाया गया है कि पेन्टेकोस्ट की हिलाई रोटियों में जो खमीर है, वह पकाने की प्रक्रिया के

दौरान हटा दिया जाता है। राजदण्ड या कुंजी का अधिकार गिरे हुए राज्य के दूठ से आता है, और जो ध्वज स्वरूप शाखा है वह यिश्की की जड़ से आती है और वही यिश्की की जड़ है, क्योंकि यीशु किसी बात का अंत उसकी शुरुआत से चित्रित करते हैं। जड़ शुरुआत है और शाखा अंत। यह भविष्यद्वाणिक अनुप्रयोग मसीह के समय के या आज के कृतर्क करने वाले यहूदियों द्वारा समझा नहीं जा सकता, क्योंकि यह अन्तिम वर्षा की पद्धति का मूल सिद्धांत है, और इसे दाऊद के घराने की कुंजी के रूप में भी दिखाया गया है। यह कुंजी दाऊद के घराने के उस द्वार को खोलती है जो बंद रहा है। यह कुंजी स्वर्गीय पवित्रस्थान, दाऊद के घराने, का द्वार खोलती है। 22 अक्टूबर, 1844 का अल्फा रविवार के कानून के ओमेगा में दोहराया जाता है।

जेसी के पुत्र दाऊद एक ऐसी पहली दर्ज करता है, जिसने मसीह के दिनों में कुतर्की यहूदियों के साथ किसी भी आगे की चर्चा पर विराम लगा दिया, और इस प्रकार यहूदियों के प्रति उनकी गवाही का भी अंत कर दिया।

दाऊद का भजन। यहोवा ने मेरे प्रभु से कहा, "तू मेरे दाहिने बैठ, जब तक कि मैं तेरे शत्रुओं को तेरे पाँव तले की चौकी न कर दूँ।" यहोवा सियोन से तेरी शक्ति का राजदण्ड भेजेगा: तू अपने शत्रुओं के बीच राज्य कर। तेरे लोग तेरी शक्ति के दिन पवित्रता की शोभा में स्वेच्छा से प्रस्तुत होंगे; भोर की कोख से तेरी युवावस्था की ओस तुझ पर है। यहोवा ने शपथ खाई है, और वह पछताएगा नहीं: "तू मल्कीसेदेक की रीति पर सदा का याजक है।" भजन संहिता 110:1-4.

पाल्मोनी ने यह ठहराया कि यह अंश भजन संहिता 110 में रखा जाए, जो निस्संदेह गणित की दुनिया में एक और ऐसी संख्या है जिसे विशेष माना जाता है। "220" का आधा और "11" का दस गुना होने के कारण, कोई आत्मा यह अपेक्षा कर सकती है कि "110" संख्या का कोई महत्व होगा, और वास्तव में ऐसा ही है, जैसे स्वयं यह अंश भी है। यह दाऊद का एक गीत है, और दाऊद एक सौ चवालीस हजार का प्रतीक है; अतः यह दाख की बारी के गीत का एक पद है, जो मूसा और मेन्ने का गीत है। यह बताता है कि कब दाख की बारी के पूर्व बाग़बान एक ओर कर दिए जाते हैं और दाख की बारी एक सौ चवालीस हजार को सौंप दी जाती है। जब ऐसा होता है, तब वह 'तेरी सामर्थ्य का दिन' होता है, जो पेन्टेकोस्ट की सामर्थ्य के साथ मेल खाता है, पेन्टेकोस्ट काल के चरमोत्कर्ष पर।

परमेश्वर की प्रजा उस दिन "इच्छुक" होगी जब वे "भोर के गर्भ" से, "तेरी युवावस्था की ओस" के साथ निकलेंगे। नया जन्म परिवर्तन और जीवन का एक चित्रण है। एक लाख चवालीस हजार जुलाई 2023 में गर्भ से निकाले गए, और वे अपनी युवावस्था की ओस के साथ जन्मे थे, क्योंकि वे मिडनाइट क्राइ के संदेश में जन्मे थे, जो प्रारम्भ में मिलराइट्स के साथ भी घटित हुआ था, अर्थात् उनकी "युवा अवस्था" में। वही ओस है, क्योंकि यह ओमेगा के इतिहास के भीतर अल्फा के इतिहास की पुनरावृत्ति है। उनके "सशक्तिकरण" के "दिन" में, जब शोबना को उसके "पद" "से" और उसकी "अवस्था" "से" निकाल दिया जाता है, और एल्याकीम को "नीचे" खींच लिया जाता है, तो एक लाख चवालीस हजार को ओमेगा याजक बनाया जाता है, क्योंकि उन्हें मल्कीसेदेक की रीति के अनुसार बनाया गया है, क्योंकि एक लाख चवालीस हजार मृत्यु का स्वाद नहीं चखेंगे, अर्थात् मल्कीसेदेक की भाँति वे सदा के लिए याजक हैं।

"उसकी सामर्थ्य के दिन" में प्रभु "उसकी सामर्थ्य का राजदंड सियोन में से" भेजेगा। उसके राज्यों—अनुग्रह (धर्मो ठहराया जाना) और महिमा (पवित्रीकरण)—का अधिकार उन पर सौंपा गया है जो उसकी महिमा का मुकुट धारण करते हैं, क्योंकि वे उसके राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे सियोन से भेजे जाते हैं, क्योंकि सियोन का अर्थ एक लाख चवालीस हजार के ध्वज-चिह्न का प्रतिनिधित्व करता है।

जब फरीसी इकट्ठे हुए थे, तब यीशु ने उनसे पूछकर कहा, "तुम मसीह के विषय में क्या सोचते हो? वह किसका पुत्र है?" उन्होंने उससे कहा, "दाऊद का पुत्र।"

वह उनसे कहता है, तो फिर दाऊद आत्मा में उसे प्रभु कैसे कहता है, यह कहते हुए, 'प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, मेरे दाहिने बैठ, जब तक मैं तेरे शत्रुओं को तेरे पाँव तले की चौकी न बना दूँ? यदि दाऊद उसे प्रभु कहता है, तो वह उसका पुत्र कैसे है?

और कोई भी व्यक्ति उसे एक भी बात का उत्तर न दे सका, और उस दिन के बाद किसी ने उससे फिर कोई प्रश्न पूछने का साहस नहीं किया। मत्ती 24:41-46.

आल्फा और ओमेगा—आरंभ और अंत—के संदर्भ में दाऊद का मसीह से भविष्यवाणी का संबंध 'रेखा पर रेखा' पद्धति का मुख्य नियम है, और जिस प्रकार कुतर्की यहूदी उस नियम को नहीं समझ सके, उसी प्रकार एक लाओदीकियाई सेवन्थ-डे एडवेंटिस्ट भी यह नहीं समझ सकता कि 'मिडनाइट क्राइ' के संदेश के समय मिलराइट्स का इतिहास वही स्थान था जहाँ एडवेंटिज़्म की युवावस्था में स्वर्ग की ओस उंडेली गई थी। 'तेरी युवावस्था की ओस' एक लाख चवालीस हजार पर है, और इसका छिड़काव 9/11 को आरंभ हुआ, और 'संडे लॉ' 'शक्ति का दिन' है, जब शेष जन मेल्कीसेदेक की व्यवस्था के अनुसार याजकों के रूप में अभिषिक्त किए जाते हैं।

लाओदीकियाई सेवन्थ-डे एडवेंटिज़्म के ठूठ (युद्धरत कलीसिया) से शाखा (विजयी कलीसिया) निकलती है, जबकि जैसी की जड़ से, एक लाख चवालीस हजार—उसकी शक्ति के दिन लहराकर भेंट के रूप में उठाई गई महिमामय फल की शाखा—हैं।

हम इन विचारों को अगले लेख में आगे बढ़ाएँगे।

नीतिवचन एक

1 अप्रैल, 1850 'छोटे झुंड' के नाम।

प्रिय भाइयों.—प्रभु ने 26 जनवरी को मुझे एक दर्शन दिया, जिसका मैं वर्णन करूँगा। मैंने देखा कि परमेश्वर के कुछ लोग मूढ़ और सुप्त थे; वे केवल आधे ही जागे थे, और उन्हें यह भान नहीं था कि हम अभी किस समय में जी रहे हैं; और कि 'धूल-झाड़ू' वाला 'मनुष्य' प्रवेश कर चुका था, और कुछ लोग झाड़कर बहा दिए जाने के खतरे में थे। मैंने यीशु से विनती की कि वह उन्हें बचाए, उन्हें थोड़ा और अवकाश दे, और उन्हें उनके भयावह संकट का एहसास कराए, ताकि हमेशा के लिए बहुत देर हो जाने से पहले वे तैयार हो सकें। स्वर्गदूत ने कहा, 'विनाश प्रचण्ड बवंडर की तरह आ रहा है।' मैंने स्वर्गदूत से विनती की कि वह उन पर दया करे और उन्हें बचाए जो इस संसार से प्रेम करते थे, अपनी संपत्तियों से आसक्त थे, और उनसे कटकर अलग होने तथा उन्हें बलिदान करने को तैयार नहीं थे, ताकि दूतों को उनकी यात्रा में शीघ्रता मिले, जिससे वे भूखी भेड़ों को, जो आत्मिक भोजन के अभाव में नाश हो रही थीं, खिला सकें।

जब मैंने देखा कि वर्तमान सत्य के अभाव में अभागी आत्माएँ मर रही थीं, और कुछ जो सत्य में विश्वास करने का दावा करते थे, परमेश्वर के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक साधनों को रोक रखकर उन्हें मरने दे रहे थे, तो वह दृश्य अत्यंत पीड़ादायक था, और मैंने स्वर्गदूत से विनती की कि वह इसे मुझसे दूर कर दे। मैंने देखा कि जब परमेश्वर के कार्य हेतु उनकी कुछ संपत्ति मांगी जाती, तो वे उस युवा व्यक्ति की तरह जो यीशु के पास आया था, [Matthew 19:16-22.] उदास होकर चले जाते; और यह भी कि शीघ्र ही उमड़ती हुई विपत्ति गुज़रेगी और उनकी सारी संपत्ति को बहा ले जाएगी, और तब सांसारिक वस्तुओं का बलिदान देकर स्वर्ग में खजाना संचय करना बहुत देर हो जाएगा।

तब मैंने उस महिमामय उद्धारकर्ता को देखा, सुंदर और मनोहर, जो महिमा के लोकों को छोड़कर इस अंधेरी और निर्जन दुनिया में आया, अपना अनमोल जीवन देने और मरने के लिए—धर्मों ने अधर्मियों के लिए। उसने क्रूर उपहास और कोड़ों की मार सह ली, गुंथे हुए काँटों का मुकुट पहना, और बगीचे में रक्त की बड़ी-बड़ी बूंदों के समान पसीना बहाया; जबकि समस्त संसार के पापों का भार उस पर था। स्वर्गदूत ने पूछा, 'किस लिए?' ओह, मैंने देखा और जान लिया कि यह हमारे लिए था; हमारे पापों के कारण उसने यह सब सहा, ताकि अपने अनमोल रक्त के द्वारा वह हमें परमेश्वर के पास छोड़ा ले।

मुझे फिर से वे लोग दिखाए गए जो नाश हो रही आत्माओं को बचाने के लिए, उन्हें सत्य पहुँचाकर, इस संसार की धन-संपत्ति को दान करने को तैयार नहीं थे; जबकि यीशु पिता के सामने खड़े होकर उनके लिए अपने लहू,

अपनी पीड़ाओं और अपनी मृत्यु के आधार पर विनती कर रहे हैं; और जबकि परमेश्वर के दूत प्रतीक्षा कर रहे थे, उन्हें यह उद्धारकारी सत्य पहुँचाने के लिए तत्पर, ताकि वे जीवित परमेश्वर की मुहर से मुहरबंद किए जाएँ। कुछ लोगों के लिए, जो वर्तमान सत्य पर विश्वास करने का दावा करते थे, दूतों को परमेश्वर का अपना धन दे देना भी कठिन था, जो उसने उन्हें भण्डारी बनाकर उधार दिया था।

तब दुःख सहने वाले यीशु—उनका बलिदान और इतना गहरा प्रेम कि उन्होंने उनके लिए अपना जीवन दे दिया—मुझे फिर से दिखाया गया; और फिर मुझे उन लोगों का जीवन भी दिखाया गया जो अपने को उसके अनुयायी होने का दावा करते थे, जिनके पास इस संसार की धन-संपत्ति थी, और जो उद्धार के कार्य में सहायता करना बहुत बड़ा काम समझते थे। स्वर्गदूत ने कहा, 'क्या ऐसे लोग स्वर्ग में प्रवेश कर सकते हैं?' दूसरे स्वर्गदूत ने उत्तर दिया, 'नहीं, कभी नहीं, कभी नहीं, कभी नहीं। जो पृथ्वी पर परमेश्वर के कार्य में रुचि नहीं रखते, वे स्वर्ग में उद्धार के प्रेम का गीत कभी नहीं गा सकते।'

मैंने देखा कि पृथ्वी पर परमेश्वर का जो त्वरित कार्य चल रहा था, उसे धार्मिकता में शीघ्र ही संक्षिप्त कर दिया जाएगा, और शीघ्रगामी दूतों को बिखरी हुई भेड़ों को खोज निकालने के लिए अपने मार्ग पर तेजी से बढ़ना चाहिए। एक स्वर्गदूत ने कहा, 'क्या सब दूत हैं? नहीं, नहीं, परमेश्वर के दूतों के पास एक संदेश होता है।'

मैंने देखा कि परमेश्वर के कार्य को उन कुछ यात्रियों ने, जिनके पास परमेश्वर का कोई संदेश नहीं था, बाधित किया और उसका अपमान किया। ऐसे लोगों को परमेश्वर के सामने उस हर डॉलर का हिसाब देना होगा जो उन्होंने वहाँ यात्रा में खर्च किया जहाँ जाना उनका कर्तव्य नहीं था; क्योंकि वह धन परमेश्वर के कार्य को आगे बढ़ाने में काम आ सकता था, और उसकी कमी के कारण आत्माएँ आध्यात्मिक भोजन के अभाव में भूखी रहीं और मर गईं, जो उन्हें परमेश्वर के बुलाए और चुने हुए दूतों द्वारा दिया जा सकता था, यदि उनके पास साधन होते।

प्रचंड हिलाहट आरंभ हो चुकी है, और यह जारी रहेगी, और जो सत्य के लिए दृढ़ और अडिग होकर खड़े होने तथा परमेश्वर और उसके उद्देश्य के लिए बलिदान देने को तैयार नहीं हैं, वे सब झाड़कर अलग कर दिए जाएंगे। स्वर्गदूत ने कहा, 'क्या तुम सोचते हो कि किसी को बलिदान करने के लिए बाध्य किया जाएगा? नहीं, नहीं। यह स्वेच्छा की भेंट होनी चाहिए। खेत खरीदने में सब कुछ लग जाएगा।'—मैंने परमेश्वर से पुकारकर विनती की कि वह अपने लोगों को बर्खा दे; उनमें से कुछ मूर्छित हो रहे थे और मर रहे थे।

मैंने देखा कि जिनमें अपने हाथों से श्रम करने और उस ध्येय को सहारा देने की शक्ति थी, वे उस शक्ति के लिए उतने ही उत्तरदायी थे, जितने अन्य लोग अपनी संपत्ति के लिए थे।

तब मैंने देखा कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर के न्याय शीघ्र आ रहे थे। मैंने स्वर्गदूत से विनती की कि वह अपनी भाषा में लोगों से बोले। उसने कहा, 'जो लोग परमेश्वर के वचन के सरल सत्यों से नहीं हिलेंगे, Mount Sinai की सारी गरजें और बिजलियाँ भी उन्हें नहीं हिला पाएँगी; न ही किसी स्वर्गदूत का संदेश उन्हें जगा पाएगा।'

Review and Herald, April 1, 1850.